कबीरा

खड़ा बाज़ार में

चित्राँकनः सुनील लाइनस डे

कथा की 300एम थिंकबुक

कबीरा खड़ा बाज़ार में
सबकी मांगे खैर।

न काहू से दोस्ती
न काहू से बैर।

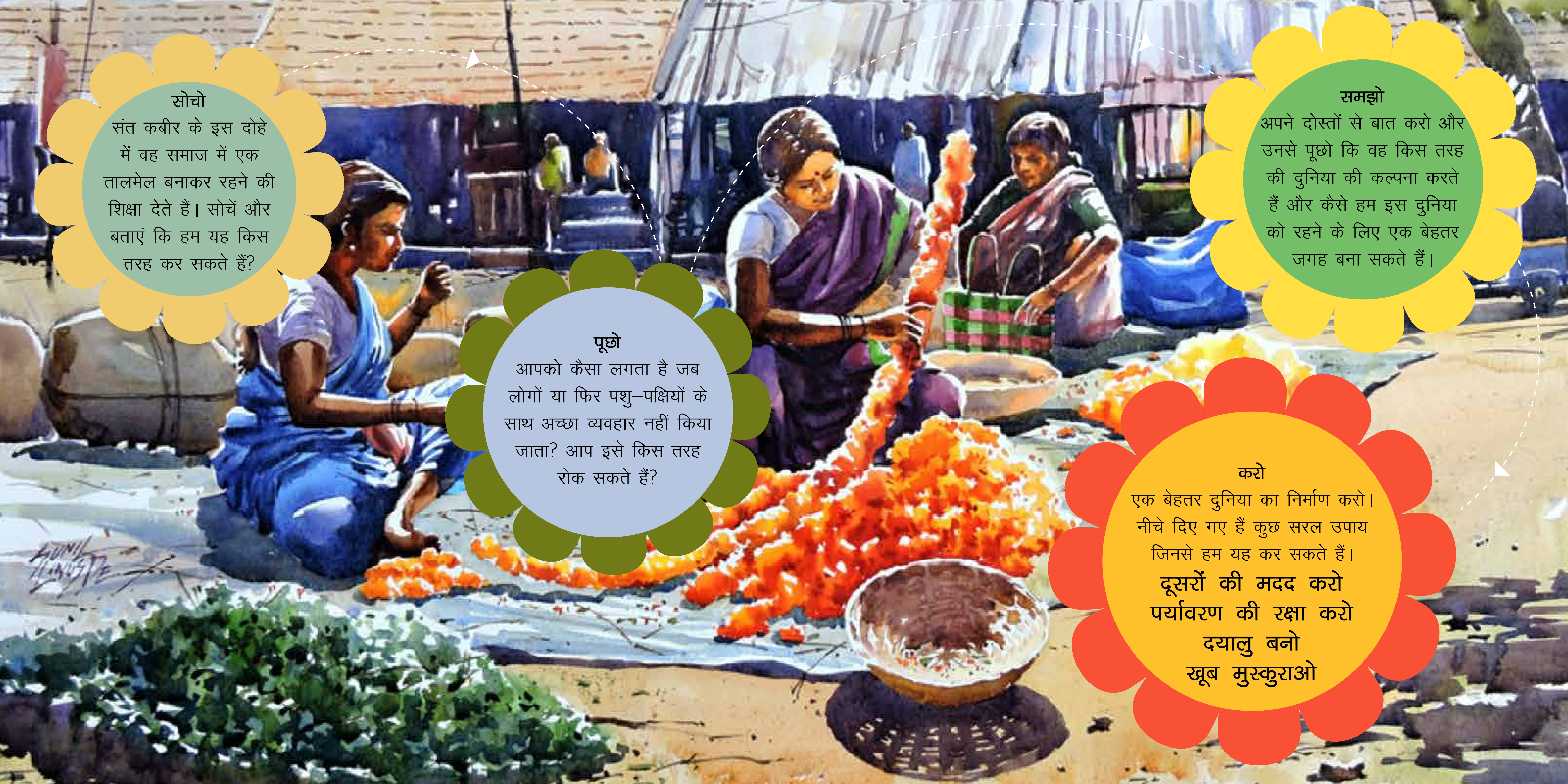

सोचो

संत कबीर के इस दोहे में वह समाज में एक तालमेल बनाकर रहने की शिक्षा देते हैं। सोचें और बताएं कि हम यह किस तरह कर सकते हैं?

पूछो

आपको कैसा लगता है जब लोगों या फिर पशु–पक्षियों के साथ अच्छा व्यवहार नहीं किया जाता? आप इसे किस तरह रोक सकते हैं?

समझो

अपने दोस्तों से बात करो और उनसे पूछो कि वह किस तरह की दुनिया की कल्पना करते हैं और कैसे हम इस दुनिया को रहने के लिए एक बेहतर जगह बना सकते हैं।

करो

एक बेहतर दुनिया का निर्माण करो। नीचे दिए गए हैं कुछ सरल उपाय जिनसे हम यह कर सकते हैं।

दूसरों की मदद करो

पर्यावरण की रक्षा करो

दयालु बनो

खूब मुस्कुराओ

संत कबीर बुनकर थे। उन्होंने बहुत सारी कविताएँ लिखीं। वे भारत के सबसे बड़े कवियों में से हैं।

भक्ति काल के कवि, कबीर, बड़े-बड़े विचारों को बहुत आसान शब्दों में कह देते थे। उनकी कविताएँ आज भी विश्व भर में पढ़ी जाती हैं।

पंद्रहवीं सदी के सबसे महान भक्तिकाल के कवियों में से एक, **संत कबीर** अपनी रचनाओं के माध्यम से बड़ी–बड़ी बातों को बहुत ही सरलता से समझा देते थे। आज भी उनके लिखे दोहे दुनिया भर में लोकप्रिय हैं।

सुनील लाइनस डे क्रिएटिव डिज़ाइनर और पेंटर हैं। उनकी कलाकृतियाँ कई प्रदर्शनियों का हिस्सा रहीं हैं। अमरीका से प्रकाशित एक पुस्तक में उनको विश्व के 32 देशों के 39 'अंतर्राष्ट्रीय वॉटर कलर आर्टिस्ट्स' में चुना था।

कथा एक विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त गैर–लाभकारी संस्था है जो कि शिक्षा और साहित्य के क्षेत्र में सन् 1988 से काम कर रही है। गरीबी में रहने वाले बच्चों की शिक्षा को बढ़ावा देने का व उनके लिए विशेष किताबें बनाने का कथा के पास लगभग 30 साल का अनुभव है।

"भारत के मुकुट पर एक शैक्षिक हीरा!" — **नाओकी शिनोहरा, उपप्रबंध निर्देशक, आईएमएफ**

"कथा का काम इस विचार से प्रेरित है कि बच्चे अपने समुदायों में स्थायी बदलाव ला सकते हैं। जैसे कि बच्चे करते हैं (कथा की किताबों में)।" — **पेपरटाइगर्स**

"कथा बच्चों के लिए नर्म दिल है। तभी तो कथा बच्चों के लिए इतनी खूबसूरत किताबें बनाती है।" — **टाइम आउट**

"कथा दुनिया भर में उन रचनात्मक संगठनों के लिए एक उदाहरण है जो शहरों के सुधार के लिए काम करते हैं।"

— **चार्ल्स लैंड्री, *द आर्ट ऑफ़ सिटी मेकिंग***

पहला हिंदी संस्करण

कृति स्वामित्व © कथा, 2021

चित्राँकन कृति स्वामित्व © सुनील लाइनस डे

स्वत्वाधिकार सुरक्षित। प्रकाशक की आज्ञा के बिना इस किताब के किसी भी भाग को छापना अथवा अन्य किसी पुनः प्रयोग विधि के रूप में प्रतिकृति या इस्तेमाल वर्जित है।

नयी दिल्ली द्वारा मुद्रित

हमारा लक्षयः हर बच्चा आनंद और अर्थवत्ता के लिए पढ़ें।

कथा एक पंजीकृत आलंभकारी संस्था है जिसकी स्थापना 1988 में किया गया था। कथा शिक्षा और साहित्य के क्षेत्र में काम करती है। कथा का मुख्य उद्देश्य है बच्चों और बड़ों में पढ़ने में रूचि एवं इससे मिलती खुशी को बढ़ावा देना। कथा 1,00,000 से भी अधिक बच्चों के साथ काम करती है ताकि वे मजे के लिए और कक्षा स्तर पर पढ़ सकें।

ए–3 सर्वोदय एन्क्लेव, श्री औरोबिन्दो मार्ग, नयी दिल्ली – 110017
दूरभाषः 4141 6600 - 4141 6624 - 4182 9998
इ–मेलः marketing@katha-org
वेबसाइटः www-katha-org | www-books-katha-org

इस किताब की बिक्री में मिली राशि का 10% बच्चों की शिक्षा के लिए कथा स्कूल को दिया जाएगा।
कथा नियमित रूप से उस लकड़ी के बदले पेड़ लगाती है, जिससे हमारी किताबों को छापने का कागज बनता है।

यह सभी आई.एल.आर किताबें हैं

इसकी तीन श्रृंखला में

आनंद और समझने के लिए पढ़ो

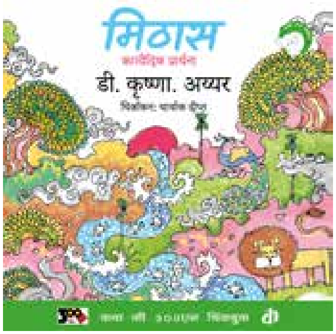

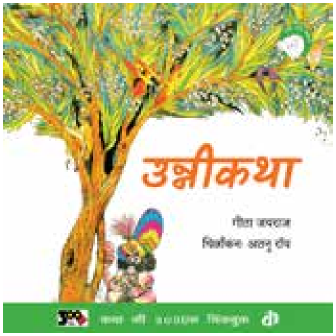

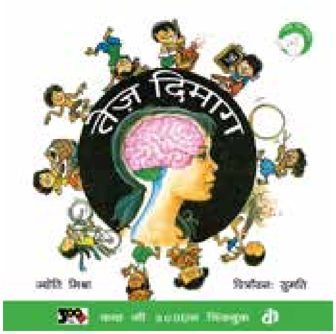

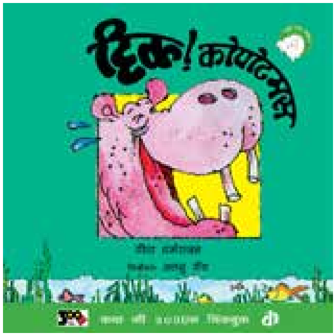

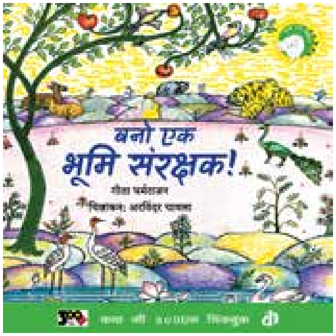

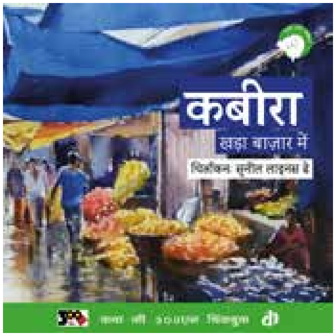

FOR OUR BOOKS

www.books.katha.org

"[Katha]...a special and unique moment in Indian Publishing history."

— The iconic The Economic Times

for children
a katha book
ISBN 978-93-88284-81-3
www.katha.org
₹ xxx